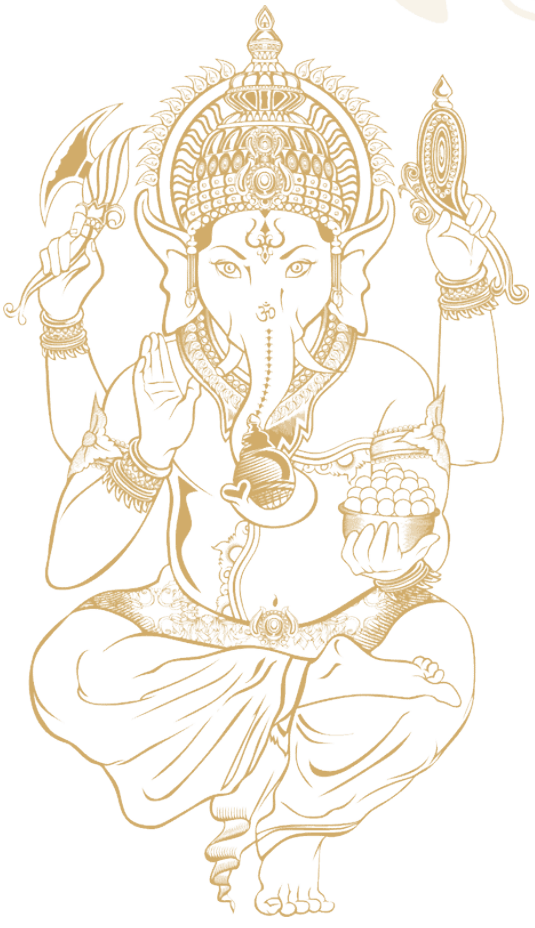

Pranav Adtti

Model: Love-Horoscope

Order No: 121373401

Model: Love-Horoscope

Order No: 121373401 Date: 23/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/07/1990	जन्म तिथि	07/09/1990
गुरुवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 17:54:00	जन्म समय	14:56:00 घंटे
घटी 30:41:55	जन्म समय(घटी)	22:13:44 घटी
India	देश	India
Ambala	स्थान	Delhi
30:19:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
76:49:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:44	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:37:14	सूर्योदय	06:01:56
19:20:47	सूर्यास्त	18:36:05
23:43:46	चित्रपक्षीय अयनांश	23:43:51

धनु	लग्न	धनु
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
कन्या	राशि	मीन
बुध	राशि-स्वामी	गुरु
उ०फाल्गुनी	नक्षत्र	रेवती
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	बुध
3	चरण	2
शिव	योग	गण्ड
बालव	करण	विष्टि
पा-पवन	जन्म नामाक्षर	दो-द्रोणी
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
वैश्य	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
गौ	योनि	गज
मनुष्य	गण	देव
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 2वर्ष 4मा 13दि		17:41:38	धनु	लग्न	धनु	16:50:11	बुध 11वर्ष 4मा 23दि	
राहु		09:32:13	कर्क	सूर्य	सिंह	20:46:35	शुक्र	
08/12/2009		04:43:55	कन्या	चंद्र	मीन	21:03:42	29/01/2009	
09/12/2027		15:26:44	मेष	मंगल	वृष	09:34:14	29/01/2029	
राहु	21/08/2012	01:51:55	सिंह	बुध व	सिंह	22:17:27	शुक्र	31/05/2012
गुरु	14/01/2015	01:17:14	कर्क	गुरु	कर्क	10:22:01	सूर्य	31/05/2013
शनि	20/11/2017	13:56:18	मिथु	शुक्र	सिंह	06:19:31	चन्द्र	30/01/2015
बुध	09/06/2020	27:25:41	धनु व	शनि व	धनु	25:10:40	मंगल	31/03/2016
केतु	27/06/2021	13:33:35	मक	राहु व	मक	13:00:46	राहु	01/04/2019
शुक्र	27/06/2024	13:33:35	कर्क	केतु व	कर्क	13:00:46	गुरु	30/11/2021
सूर्य	21/05/2025	12:49:57	धनु व	हर्ष व	धनु	11:53:33	शनि	29/01/2025
चन्द्र	20/11/2026	18:54:27	धनु व	नेप व	धनु	18:08:22	बुध	30/11/2027
मंगल	09/12/2027	21:14:21	तुला	प्लूटो	तुला	21:45:48	केतु	29/01/2029

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:43:46 चित्रपक्षीय अयनांश 23:43:51

लग्न-चलित

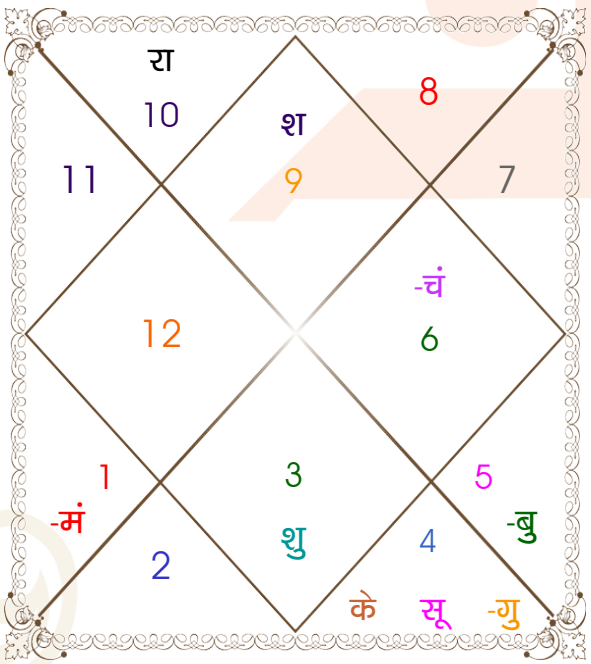

लग्न-चलित

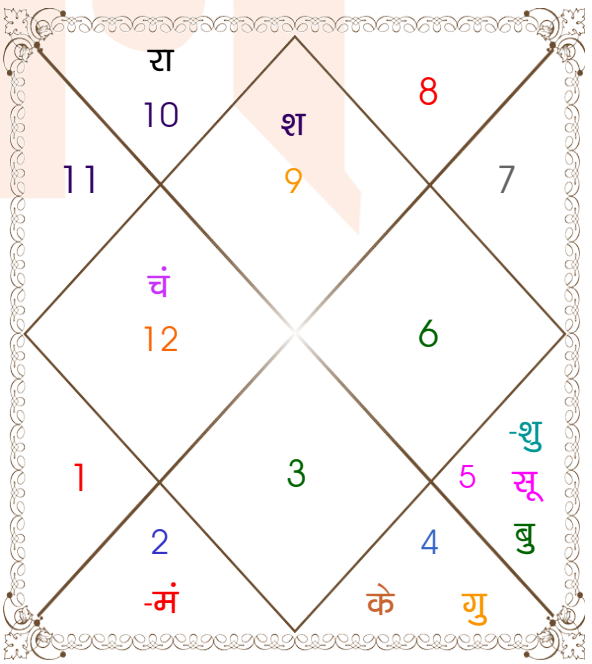

Jay maa kamakhya tantra jyotish Kendra
Shamli, Uttar Pradesh 247776, India
9653182606
chauhansushil679@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

कुल : **26 / 36**

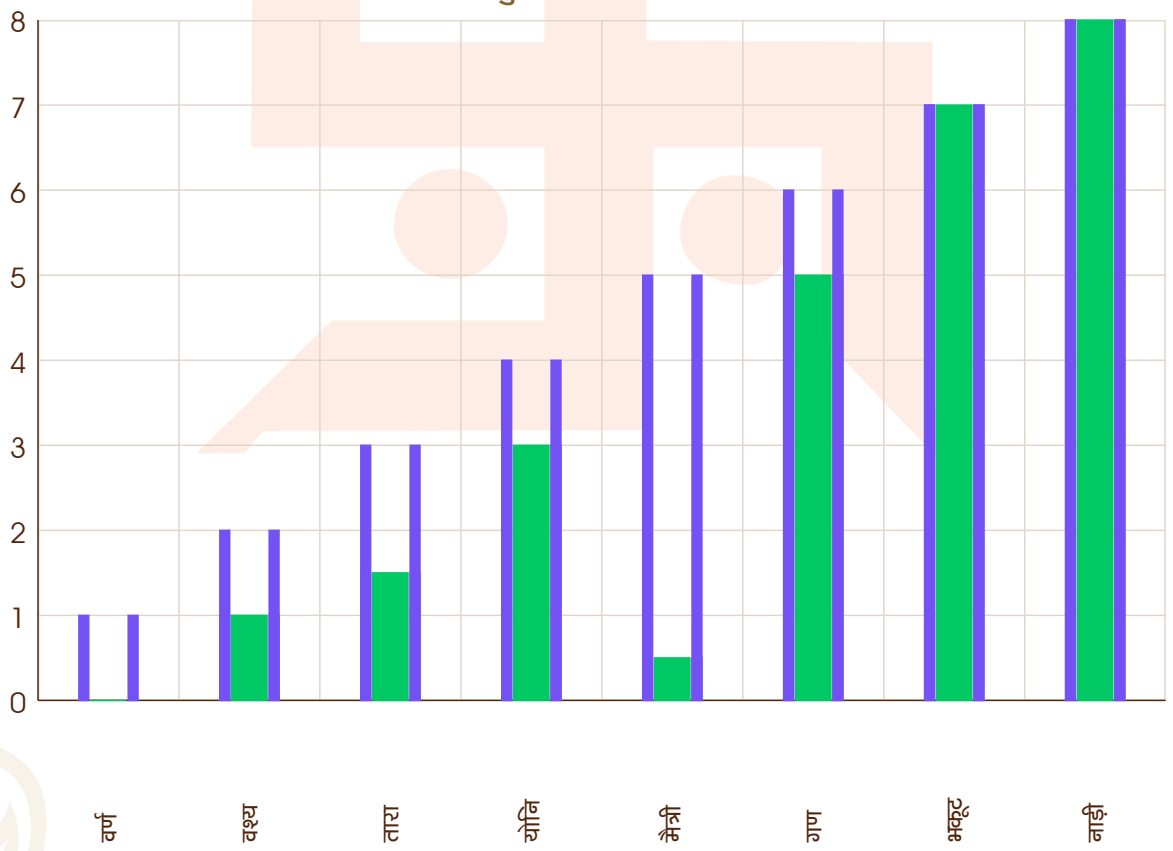

Jay maa kamakhya tantra jyotish Kendra
Shamli, Uttar Pradesh 247776, India
9653182606
chauhansushil679@gmail.com

अष्टकूट मिलान

Pranav का वर्ग मूषक है तथा Adtti का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Pranav और Adtti का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Pranav मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Adtti मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Pranav तथा Adtti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Pranav का वर्ण वैश्य है तथा Adtti का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Adtti का वर्ण Pranav के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Adtti अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। Adtti को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

वश्य

Pranav का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Adtti का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलियें Pranav एवं Adtti दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतः Pranav Adtti पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकि Pranav हमेश Adtti के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

Pranav की तारा क्षेम तथा Adtti की तारा वध है। Adtti की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह Pranav एवं Adtti दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Adtti अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

Pranav की योनि गौ है तथा Adtti की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से

उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Pranav का राशि स्वामी Adtti के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Adtti का राशि स्वामी Pranav के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Pranav का गण मनुष्य तथा Adtti का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में Adtti सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर Pranav व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण Pranav अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

Pranav एवं Adtti की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा Pranav व Adtti को शांति, सुख, सौभाग्य, समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

नाड़ी

Pranav की नाड़ी आद्य है तथा Adtti की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। Pranav की आद्य नाड़ी तथा Adtti की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Pranav की जन्म राशि पृथ्वीतत्व युक्त कन्या तथा Adtti की राशि जलतत्व युक्त मीन राशि है। पृथ्वी एवं जलतत्व की परस्पर मित्रता एवं समानता होने के कारण Pranav और Adtti के मध्य स्वभावगत समानताएं विद्यमान होंगी जिससे उनका वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः मिलान सामान्यतया शुभ रहेगा।

Pranav की राशि का स्वामी बुध तथा Adtti की राशि का स्वामी गुरू परस्पर शत्रु एवं सम भाव में पड़ते है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य यदा कदा मतभेद तथा विरोध का भाव उत्पन्न होगा। साथ ही एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों की ओर विशेष ध्यान देंगे तथा आलोचना आदि भी करेंगे फलतः परस्पर संबधों में कटुता तथा तनाव का वातावरण उत्पन्न होगा परन्तु यदि Pranav और Adtti बुद्धिमता से कार्य लें तथा परस्पर संयत व्यवहार करें तो उनका वैवाहिक जीवन सुखमय हो सकता है।

Pranav और Adtti की राशियां परस्पर सप्तम से सप्तम भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Pranav और Adtti के उपरोक्त दुष्प्रभावों में कमी आएगी तथा परस्पर प्रेम सहयोग सहानुभूति तथा समर्पण का भाव होगा तथा एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हुए सुख दुःख में सहयोग प्रदान करेंगे जिससे वैवाहिक जीवन की सुख शांति तथा प्रसन्नता में वृद्धि होगी ।

Pranav का वश्य मानव तथा Adtti का वश्य जलचर है। मानव एवं जलचर के मध्य नैसर्गिक असमानता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर में भी असमानता होगी। अतः काम संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Pranav का वर्ण वैश्य तथा Adtti का वर्ण ब्राह्मण है अतः इनकी कार्य क्षमताओं में असमानता रहेगी। Pranav की प्रवृति धनार्जन में प्रवृत रहेगी तथा व्यापारिक बुद्धि से कार्यो को सम्पन्न करेंगे। Adtti की शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यो में विशेष रूचि रहेगी तथा इन कार्यो को करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

धन

Pranav और Adtti दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Pranav की नाड़ी आद्य तथा Adtti की नाड़ी अंत्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण वे नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। इसके प्रभाव से उनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा पराक्रम एवं परिश्रम से अपने सांसांरिक महत्व के कार्यो को सम्पन्न करने में समर्थ होंगे जिससे उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी इनमें किसी के भी स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Pranav और Adtti को उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगा तथा कन्या संतति की अपेक्षा पुत्र संतति अधिक रहेगी।

प्रसव संबंधी कष्ट के लिए आप को किसी भी प्रकार की चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है। इनका प्रसव सामान्य रूप से सम्पन्न होगा तथा इससे संबधित कोई भी समस्या नहीं होगी। Adtti सुदंर एवं स्वस्थ बच्चों को जन्म देंगी तथा स्वयं भी पूर्ण रूपेण स्वस्थता की अनुभूति करेंगी। इससे Pranav और उसके परिवार के सभी सदस्य प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

Pranav और Adtti की संततियां व्यवहारकुशल एवं माता पिता के लिए आज्ञाकारी रहेंगी तथा अपने बच्चों की प्रगति से दोनों सन्तुष्टि एवं आनंद की अनुभूति करेंगे। साथ ही कार्य क्षेत्र में भी वे स्वपरिश्रम योग्यता एवं बुद्धिमत्ता से उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे। उनके उत्कृष्ट कार्य कलापों से Pranav और Adtti अपने आप को भाग्यशाली समझेंगे। इनकी संततियां कभी भी उनकी इच्छा के विपरीत कोई भी कार्य नहीं करेंगी जिससे माता पिता को उन पर गर्व रहेगा। इस प्रकार सुदंर, आज्ञाकारी एवं बुद्धिमान संतति से युक्त होकर Pranav और Adtti का पारिवारिक जीवन सुख शांति एवं आनंद से व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Adtti के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Adtti अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा

उनकी ओर से Adtti पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Adtti अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Pranav तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में Pranav के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह Pranav को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही Pranav के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Pranav के प्रति अनुकूल ही रहेगा।

लग्न फल

Pranav

आपका जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह निर्देश प्राप्त हो रहा है कि आपका मुख्य उद्देश्य अपार संपत्ति प्राप्त करना एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन निर्वाह करना है, जिसकी पूर्ति सहज भाव से होने की पूर्ण संभावना है। आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के द्वितीय चरण में धनु लग्न, कन्या नवमांश एवं मेष राशि के द्रेष्काण के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म प्रभाव से ऐसा संकेत परिलक्षित हो रहा है कि आपकी महत्वकांक्षा सहजता पूर्वक पूर्ण नहीं होगी। परंतु आप अथक परिश्रम करके भी अपने उद्देश्य से संबंधित कार्य कलाप करते रहेंगे। इसके प्रभाव से निश्चित रूपेण आपको आश्चर्यजनक सफलता प्राप्त होगी क्योंकि आपमें यह प्रतिभा ईश्वरीय प्रदत्त वरदान स्वरूप है।

आप व्यक्तिगत रूप से स्पष्टवादी प्राणी है। आपमें "विश्वसनीयता एक अच्छी नीति है।" इस पर विश्वास नहीं करते आप वास्तव में इसको कार्यरूप में देखना चाहते हैं। आप उत्कृष्ट लाभांश प्राप्त करने अथवा प्रदान करने में विश्वास रखते हैं। आप धनी, संपत्तिवान, दानी प्रवृत्ति के तथा जरूरतमंद लोगों की मदद करने वाले होंगे। आप एक अच्छे एवं श्रदालु स्वभाव के प्राणी हैं। आप ऊंची लहरों के समान बार बार धर्म एवं दर्शन के संबंध में सीख प्राप्त करेंगे।

आप निःसंदेह उच्च महत्वकांक्षी है तथा अपने लक्ष्य से संबंधित कार्यकलाप द्वारा अपनी परियोजना को भली प्रकार कार्यान्वयन करने की रूप रेखा पर विचार कर उत्साह पूर्वक कार्य में तल्लीन हो जाएंगे। यदि एक बार आप किसी कार्य को प्रारंभ कर देंगे। पुनः किसी भी प्रकार की विपरीत परिस्थिति में हतोत्साहित नहीं होंगे। प्रतिकूल परिस्थिति को समकोणात्मक चुनौती समझकर सफलता की ओर बढ़ते रहते हैं। आप में ऐसी प्रतिभा विद्यमान है कि आप किसी भी परिस्थिति का मूल्यांकन कर उचित दृष्टिकोण से तथा शीघ्रतापूर्वक किसी भी प्रकार के सुअवसर को हस्तगत कर अपने रास्ते पर चले आते हैं।

आप और आपकी पत्नी अर्थात् आप सपत्नीक भाग्यशाली हैं तथा सभी प्रकार की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु उपयुक्त हैं। आपके जीवन का अनुकूल समय आपकी आयु के 27 वां वर्ष है जब सभी कार्य अथवा आपकी आकांक्षा आपके अनुकूल हो जाएगी। परंतु यदि आप अपने भाग्य को बहुत अधिक प्रेरित करना चाहकर, कहीं सट्टेबाजी या जूआ आदि के खेल में फंस गए अथवा आप जूआ सट्टा आदि खेल में योगदान करने लगे तो यह आपके धन लोलुपता का परिचायक होगा। लेकिन इससे आपके पास पर्याप्त धन नहीं आ सकेगा तथा आपको संतुष्टि भी नहीं मिलेगी।

आपके जैसा प्राणी बाहरी खेलकूद में अभिरूचि रखता है एवं यात्राएं खूब करता है। आप भी घर से बाहर अधिक समय बिताएंगे। अतएव आप अपने उत्कर्ष का विस्तार नहीं कर सकेंगे तथा आपके पारिवारिक जीवन में न्यूनता आ जाएगी तथा आपका जीवन एक तमाशा

बन कर रह जाएगा। आपकी पत्नी आपके घर परिवार को अपने अधिकृत रखेगी और आप कोई अन्य विकल्प की तलाश कर कोई सामंजस्य पूर्ण कर्त्तव्य का निर्वाहन करना चाहेंगे। आप का सौभाग्य है कि आप एक सुन्दर जीवन संगिनी तथा समझदार संतान से युक्त रहेंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, सोमवार एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं बुधवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक किसी भी कार्य-कलाप हेतु अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, सफेद, क्रीम रंग, हरा, सूआपंखी, नीला एवं नारंगी रंग है। परंतु रंग लाल, मोतिया एवं काला रंग अव्यवहरणीय है।

Adtti

आपकी जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह निर्देश प्राप्त हो रहा है कि आपका मुख्य उद्देश्य अपार संपत्ति प्राप्त करना एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन निर्वाह करना है, जिसकी पूर्ति सहज भाव से होने की पूर्ण संभावना है। आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के द्वितीय चरण में धनु लग्न, कन्या नवमांश एवं मेष राशि के द्रेष्काण के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म प्रभाव से ऐसा संकेत परिलक्षित हो रहा है कि आपकी महत्वकांक्षा सहजता पूर्वक पूर्ण नहीं होगी। परंतु आप अथक परिश्रम करके भी अपने उद्देश्य से संबंधित कार्य कलाप करती रहेंगी। इसके प्रभाव से निश्चित रूपेण आपको आश्चर्यजनक सफलता प्राप्त होगी क्योंकि आपमें यह प्रतिभा ईश्वरीय प्रदत्त वरदान स्वरूप है।

आप व्यक्तिगत रूप से स्पष्टवादी प्राणी हैं। आप "विश्वसनीयता एक अच्छी नीति है।" इस पर विश्वास नहीं करती आप वास्तव में इसको कार्यरूप में देखना चाहती हैं। आप उत्कृष्ट लाभांश प्राप्त करने अथवा प्रदान करने में विश्वास रखती हैं। आप धनी, संपत्तिवान, दानी प्रवृत्ति की तथा जरूरतमंद लोगों की मदद करने वाली होंगी। आप एक अच्छी एवं श्रदालु स्वभाव की प्राणी हैं। आप ऊंची लहरों के समान बार बार धर्म एवं दर्शन के संबंध में सीख प्राप्त करेंगी।

आप निःसंदेह उच्च महत्वकांक्षी है तथा अपने लक्ष्य से संबंधित कार्यकलाप द्वारा अपनी परियोजना को भली प्रकार कार्यान्वयन करने की रूप रेखा पर विचार कर उत्साह पूर्वक कार्य में तल्लीन हो जाएंगी। यदि एक बार आप किसी कार्य को प्रारंभ कर देंगी। पुनः किसी भी प्रकार की विपरीत परिस्थिति में हतोत्साहित नहीं होंगी। आप प्रतिकूल परिस्थिति को समकोणात्मक चुनौती समझकर सफलता की ओर बढ़ती रहती हैं। आप में ऐसी प्रतिभा विद्यमान है कि आप किसी भी परिस्थिति का मूल्यांकन कर उचित दृष्टिकोण से तथा शीघ्रतापूर्वक किसी भी प्रकार के सुअवसर को हस्तगत कर अपने रास्ते पर चली आती हैं।

आप और आपको पति भाग्यशाली हैं तथा सभी प्रकार की आवश्यकताओं की पूर्ति

हेतु उपयुक्त हैं। आपके जीवन का अनुकूल समय आपकी आयु का 27 वां वर्ष है जब सभी कार्य अथवा आपकी आकांक्षा आपके अनुकूल हो जाएगी। परंतु यदि आप अपने भाग्य को बहुत अधिक प्रेरित करना चाहकर, कहीं सट्टेबाजी या जूआ आदि के खेल में फंस गई अथवा आप जूआ सट्टा आदि खेल में योगदान करने लगी तो यह आपकी धन लोलुपता का परिचायक होगा। लेकिन इससे आपके पास पर्याप्त धन नहीं आ सकेगा तथा आपको संतुष्टि भी नहीं मिलेगी।

आप जैसी प्राणी बाहरी खेलकूद में अभिरूचि रखती है एवं यात्राएं खूब करती हैं। आप भी घर से बाहर अधिक समय बिताएंगी। अतएव आप अपने उत्कर्ष का विस्तार नहीं कर सकेंगी तथा आपके पारिवारिक जीवन में न्यूनता आ जाएगी तथा आपका जीवन एक तमाशा बन कर रह जाएगा। आपके पति आपके घर परिवार को अपने अधिकृत रखेंगे और आप कोई अन्य विकल्प की तलाश कर कोई सामंजस्य पूर्ण कर्त्तव्य का निर्वाहन करना चाहेंगी। आप का सौभाग्य है कि आप एक सुन्दर जीवन संगी तथा समझदार संतान से युक्त रहेंगी।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक किसी भी कार्य-कलाप हेतु अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, सफेद, क्रीम रंग, हरा, सूआपंखी, नीला एवं नारंगी रंग है। परंतु रंग लाल, मोतिया एवं काला रंग अव्यवहरणीय है।

अंक ज्योतिष फल

Pranav

आपका जन्म दिनांक 26 है। दो और छः के योग से आपका मूलांक आठ होता है। मूलांक 8 का स्वामी शनि ग्रह है। अंक दो का चन्द्र तथा अंक छः का शुक्र है। अतः आपके जीवन में अंक दो, छः एवं आठ के स्वामी ग्रह चन्द्र, शुक्र एवं शनि का विशेष प्रभाव दृष्टिगोचर होगा।

मूलांक 8 के स्वामी शनि ग्रह के प्रभाव से आपकी उन्नति धीरे-धीरे होगी। आपके प्रत्येक कार्य में रुकावटें अवश्य आयेंगी। लेकिन आप इनसे बिना विचलित हुए अपनी सफलता का मार्ग स्वयं के कठिन परिश्रम तथा बुद्धि विवेक एवं ज्ञान के द्वारा प्राप्त करेंगे। आलस्य आपके अन्दर अवगुण के रूप में रहेगा। इसी कारण कई बार आप सफलता प्राप्त करते-करते ऐसी चूक कर देंगे जिसका बाद में पछतावा होगा। शनिग्रह के प्रभाव से आप अपने जीवन मे कई महत्वपूर्ण एवं स्थायी उपलब्धियां अर्जित करेंगे। जिससे आपका सामाजिक स्तर ऊँचा होगा और आपको समाज में नाम, यश तथा कीर्ति प्राप्त होगी। आपके कार्य करने का ढ़ंग कुछ इस प्रकार का रहेगा कि आप अपने विरोधी, आलोचक स्वयं तैयार करेंगे।

आप दिखावा पसन्द नहीं करेंगे। इससे आपको रूखा, शुष्क एवं कठोर हृदय व्यक्ति समझा जायेगा। जबकि आप अन्दर से भावुक एवं दयालु हृदय के होंगे। आपकी रुचि अपने काम तक ही सीमित रहेगी एवं कठिन से कठिन कार्य को भी आप अंजाम देने की क्षमता रखेंगे। इससे आपके सहयोगी आपके आलोचक बन जायेंगे। आप श्रमशील, त्यागी व्यक्ति के रूप में जाने जायेंगे एवं आपकी प्रगति में आने वाली रुकावटों को आप आपनी इच्छा शक्ति के बलबूते दूर करने में सफल रहेंगे।

अंक दो का स्वामी चन्द्र आपको विभिन्न क्षेत्रों में असफलता देगा लेकिन अंक छः का स्वामी शुक्र आपके अन्दर कलात्मक भाव की वृद्धि करेगा जो कि आपकी कार्य शैली में दृष्टिगोचर होगा।

Adtti

आपका जन्म दिनांक सात होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक सात होता है। अंक सात का अधिष्ठाता भारतीय मतानुसार केतु एवं पाश्चात्य मतानुसार नेपच्यून ग्रह को माना गया है। इन ग्रहों के थोड़े-बहुत प्रभाव आपके ऊपर आयेंगे। मूलांक सात के प्रभाववश आपके अन्दर कल्पना शक्ति की मात्रा अधिक रहेगी। काव्य रचना, गीत-संगीत सुनना, दूरदर्शन देखना आपकी अभिरुचि में समाहित रहेगा। ललित कलाओं, लेखन, साहित्य आदि में आपकी रुचि रहेगी। आर्थिक सफलताएं आपको अधिक नहीं मिलेंगी तथा धन संग्रह करना भी आपको मुश्किल लगेगा।

यात्रा, पर्यटन, सैर-सपाटा इत्यादि आपको विशेष अच्छा लगेगा। दूसरों के मन की

बात समझने में आप निपुणता हासिल करेंगी एवं सामने वाले को अपनी ओर आकृष्ट करने की विशेष शक्ति भी आपके अन्दर रहेगी। धर्म के क्षेत्र में आप परिवर्तनशील विचारधारा की रहेंगी एवं पुरानी रुढ़ियों, रीतियों में अधिक रुचि नहीं लेंगी। आपको ऐसे रोजगार-व्यापार पसन्द आयेंगे, जिनमें यात्रायें होती रहती हों तथा दूर-दूर के देशों से सम्पर्क बना रहे।

आप ऐसा ही रोजगार चुनेंगी जिनमें यात्रा के अवसर अधिक मिलते रहें। अतीन्द्रिय ज्ञान की अधिकतावश जहाँ आप दूसरों के मन की बात को जान जायेंगी वहीं आपको स्वप्न भी अद्भूत प्रकार के आते रहेंगे। आपको विदेशों से, जहाज, मोटर इत्यादि वाहनों से विशेष लाभ प्राप्त होंगे।

Pranav

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी- कठिनाई से होता है। अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म-क्षेत्र बना सकते हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर-दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचि पूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगे। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति-रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा-कदा परिवर्तित होता रहेगा।

Adtti

भाग्यांक आठ का स्वामी शनि ग्रह को माना गया है। शनि ग्रह अति धीमा होने से तीस वर्ष में एक राशिपथ भ्रमणचक्र पूर्ण करता है। इसके प्रभाव से आपका भाग्योदय भी धीरे-धीरे होगा। आप भले ही कितनी भी गरीबी में उत्पन्न हुई हों आपका भाग्य सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ता चला जायेगा। इस मध्य रुकावटें भी आयेंगी, जिन्हें आप धैर्य एवं अपने श्रम से पार कर लेंगी। आलस्य एवं निराशा आपकी तरक्की की बाधाऐं रहेंगी। इन पर विजय प्राप्त करना आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

आप अपने कार्यक्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त करेंगी। आपकी सभी सफलताएं विध्नों से युक्त होते हुये भी आप आसानी से अपनी तरक्की के रास्ते स्वयं निर्मित कर लेंगी। आपका भाग्योदय 35 वर्ष की अवस्था के पश्चात ही होगा। बचपन की अपेक्षा मध्य तथा अन्तिम अवस्था आपके भाग्योदय में विशेष सहायक होगी। अन्तिम अवस्था आपकी अच्छी रहेगी एवं धन सम्पत्ति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी।